Best Seller

FOR
2023 EXAM

OSWAAL BOOKS®

LEARNING MADE SIMPLE

UPDATED SYLLABUS
For Annual Scheme of Assessment-Academic Session 2022-23
April 21, 2022

CBSE SYLLABUS

CLASS 10

हिंदी 'ब'

(स्पर्श, संचयन)

Strictly as per the Latest CBSE Syllabus released on 21st April 2022 (CBSE CIR No. Acad-48/2022)

ACADEMICS' CHOICE SMART BOOK AWARD WINNER

MOST TRUSTED BRANDS OF INDIA 2021

THE ECONOMIC TIMES ICONIC BRANDS OF INDIA Made In India

Prepare, Revise & Practice Online on www.Oswaal360.com or OSWAAL 360 on

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

हिंदी–'ब'

कक्षा दसवीं (2022–23)

(कोड संख्या 002)

प्रश्न–पत्र **दो** खण्डों : खंड 'अ' और खंड 'ब' का होगा।
खंड 'अ' में 45 प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।
खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएंगे। भारांक–{80 (वार्षिक परीक्षा) + 20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय: 3 घंटे **भारांक: 80**

परीक्षा भार-विभाजन			
	विषय-वस्तु		**भार**
	खंड – अ (वस्तुपरक प्रश्न)		**40**
1.	**अपठित गद्यांश**		**10**
	(अ)	दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के) बिना किसी विकल्प के $(1 \times 5 = 5) + (1 \times 5 = 5)$ (दोनों गद्यांशों में एक अंकीय पाँच–पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे)	10
2.	**व्यावहारिक व्याकरण के आधार पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक × 16 प्रश्न)** कुल 21 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।		**16**
	1.	पदबंध (5 में से किन्हीं 4 के उत्तर)	04
	2.	रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण (5 में से किन्हीं 4 के उत्तर)	04
	3.	समास (5 में से किन्हीं 4 के उत्तर)	04
	4.	मुहावरे (6 में से किन्हीं 4 के उत्तर)	04
3.	**पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग–2**		**14**
	काव्य खंड		07
	पठित पद्यांश पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न (1 × 5) स्पर्श (भाग–2) से निर्धारित कविताओं के आधार पर एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1 × 2)		5 2
	गद्य खंड		7
	पठित गद्यांश पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पीय प्रश्न। (1 × 5) स्पर्श (भाग–2) से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1 × 2)		5 2
	खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		**40**
4.	**पाठ्यपुस्तक स्पर्श भाग–2**		**12**
	1.	स्पर्श (गद्य खंड) से निर्धारित पाठों के आधार पर तीन में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (3 अंक × 2 प्रश्न) (लगभग 60 शब्द)	06

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

	2.	स्पर्श (काव्य खंड) से निर्धारित पाठों के आधार पर तीन में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (3 अंक × 2 प्रश्न) (लगभग 60 शब्द)	06
	पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन भाग-2		**06**
	पूरक पाठ्यपुस्तक संचयन के निर्धारित पाठों में से तीन में से **दो** प्रश्न पूछे जाएँगे जिनका उत्तर लगभग 60 शब्दों में देना होगा। (3 अंक × 2 प्रश्न)		06
5.	**लेखन**		**22**
	(अ)	संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए किन्हीं तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद। (5 अंक × 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	05
	(ब)	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र। (5 अंक × 1 प्रश्न)	05
	(स)	व्यावहारिक जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में सूचना लेखन। (4 अंक × 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	04
	(द)	विषय से संबंधित लगभग 60 शब्दों के अंतर्गत विज्ञापन लेखन। (3 अंक × 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	03
	(इ)	दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन। (5 अंक × 1 प्रश्न) **अथवा** विविध विषयों पर आधारित लगभग 100 शब्दों में औपचारिक ई-मेल लेखन	05
कुल			**80**

		आंतरिक मूल्यांकन	**अंक**	**20**
	(अ)	सामयिक आकलन	5	
	(ब)	बहुविध आकलन	5	
	(स)	पोर्टफ़ोलियो	5	
	(द)	श्रवण एवं वाचन	5	
		कुल		**100**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **स्पर्श, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **संचयन, भाग-2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट—निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।

पाठ्य पुस्तक स्पर्श, भाग-2

बिहारी-दोहे (पूरा पाठ)

महादेवी वर्मा-मधुर-मधुर मेरे दीपक जल (पूरा पाठ)

अंतोन चेखन-गिरगिट (पूरा पाठ)

पूरक पुस्तक संचयन, भाग-2

पुस्तक में कोई परिवर्तन नहीं। कोई भी पाठ नहीं हटाया गया है।

❑❑

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

पठन कौशल

पढ़ने की योग्यताएँ

- हिंदी में कहानी, निबंध, यात्रा-वर्णन, जीवनी, पत्र, डायरी आदि को अर्थबोध के साथ पढ़ना।
- पाठ्यवस्तु के संबंध में विचार करना और अपना मत व्यक्त करना।
- संदर्भ साहित्य को पढ़कर अपने काम के लायक सूचना एकत्र करना।
- पठित सामग्री के विभिन्न अंशों का परस्पर संबंध समझना।
- पठित वस्तु का सारांश तैयार करना।
- भाषा, विचार एवं शैली की सराहना करना।
- साहित्य के प्रति अभिरुचि का विकास करना।

लिखने की योग्यताएँ

- लिखते हुए व्याकरण-सम्मत भाषा का प्रयोग करना।
- हिंदी के परिचित और अपरिचित शब्दों की सही वर्तनी लिखना।
- विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग करना।
- लेखन के लिए सक्रिय (व्यवहारोपयोगी) शब्द भंडार की वृद्धि करना।
- प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन-शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
- उपयुक्त अनुच्छेदों में बाँटकर लिखना।
- प्रार्थना पत्र, निमंत्रण पत्र, बधाई पत्र, संवेदना पत्र, आदेश पत्र, ईमेल, एस,एम,एस आदि लिखना और विविध प्रपत्रों को भरना।
- विविध स्रोतों से आवश्यक सामग्री एकत्र कर एक अभीष्ट विषय पर अनुच्छेद लिखना।
- देखी हुई घटनाओं का वर्णन करना और उन पर अपनी प्रतिक्रिया प्रकट करना।
- पढ़ी हुई कहानी को संवाद में तथा संवाद को कहानी में परिवर्तित करना।
- समारोह और गोष्ठियों की सूचना और प्रतिवेदन तैयार करना।
- लिखने में मौलिकता और सृजनात्मकता लाना।
- अनावश्यक काट-छाँट से बचते हुए सुपाठ्य लेखन कार्य करना
- दो भिन्न पाठों की पाठ्यवस्तु पर चिंतन करके उनके मध्य की संबद्धता (अंतर्संबधों) पर अपने विचार अभिव्यक्त करने में सक्षम होनौ
- रटे रटाए वाक्यों के स्थान पर अभिव्यक्ति/स्थिति आधारित/उच्च चिंतन क्षमता वाले प्रश्नों पर सहजता से अपने मौलिक विचार प्रकट करना।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

अनुच्छेद लेखन

- पूर्णता - संबंधित विषय के सभी पक्षों को अनुच्छेद के सीमित आकार में संयोजित करना।
- क्रमबद्धता - विचारों को क्रमबद्ध एवं तर्कसंगत विधि से प्रकट करना।
- विषय-केन्द्रित - प्रारंभ से अंत तक अनुच्छेद का एक सूत्र में बंधा होना।
- समासिकता - अनावश्यक विस्तार न देकर सीमित शब्दों में यथासंभव विषय संबद्ध पूरी बात कहने का प्रयास करना।

पत्र लेखन

- अनौपचारिक पत्र विचार-विमर्श का जरिया जिनमें मैत्रीपूर्ण भावना निहित, सरलता, संक्षिप्त और सादगी के साथ लेखन शैली।
- औपचारिक पत्रों द्वारा दैनंदिनी जीवन की विभिन्न स्थितियों में कार्य, व्यापार, संवाद, परामर्श, अनुरोध तथा सुझाव के लिए प्रभावी एवं स्पष्ट संप्रेषण क्षमता का विकास।
- सरल और बोलचाल की भाषा शैली, उपयुक्त, सटीक शब्दों के प्रयोग, सीधे-सादे ढंग से स्पष्ट और प्रत्यक्ष बात की प्रस्तुति।
- प्रारूप की आवश्यक औपचारिकता के साथ सुस्पष्ट, सुलझे और क्रमबद्ध विचार आवश्यक तथ्य, संक्षेप और सम्पूर्णता के साथ प्रभावन्विति।

To know about more useful books *click here*

पाठ्यक्रम

विज्ञापन लेखन

विज्ञापित वस्तु / विषय को केंद्र में रखते हुए

- विज्ञापित वस्तु के विशिष्ट गुणों का उल्लेख।
- आकर्षक लेखन शैली।
- प्रस्तुति में नयापन, वर्तमान से जुड़ाव तथा दूसरों से भिन्नता।
- विज्ञापन में आवश्यकतानुसार नारे (स्लोगन) का उपयोग
- विज्ञापन लेखन में बॉक्स, चित्र अथवा रंग का उपयोग अनिवार्य नहीं हैं, किंतु समय होने पर प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है।

चित्र-वर्णन

(चित्र में दिखाई दे हरे दृश्य/घटना को कल्पनाशक्ति से अपने शब्दों में लिखना)

- परिवेश की समझ
- सूक्ष्म विवरणों पर ध्यान
- दृश्यानुकूल भाषा
- क्रमबद्धता और तारतम्यता
- प्रभावशाली अभिव्यक्ति

संवाद लेखन

(दी गई परिस्थितियों के आधार पर संवाद लेखन)

- सीमा के भीतर एक-दूसरे से जुड़े सार्थक और उद्देश्यपूर्ण संवाद।
- पात्रों के अनुकूल भाषा शैली।
- कोष्ठक में वक्ता के हाव-भाव का संकेत।
- संवाद लेखन के अंत तक विषय/मुद्दे पर वार्ता पूरी।

सूचना लेखन

(औपचारिक शैली में व्यावहारिक जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित सूचना लेखन)

- सरल एवं बोधगम्य भाषा
- विषय की स्पष्टता
- विषय से जुड़ी संपूर्ण जानकारी
- औपचारिक शिष्टाचार का निर्वाह

ई-मेल लेखन

(विविध विषयों पर आधारित औपचारिक ई-मेल लेखन)

- सरल, शिष्ट व बोधगम्य भाषा
- विषय संबद्धता
- संक्षिप्त कलेवर, किंतु विषयगत संपर्ण जानकारी
- व्यावहारिक/कार्यालयी शिष्टाचार व औपचारिकताओ का निर्वाह

लघुकथा लेखन

(दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर रचनात्मक सोच के साथ लघुकथा लेखन)

- निरंतरता
- कथात्मकता
- प्रभावी संवाद/पात्रानुकूल संवाद
- रचनात्मकता/कल्पनाशक्ति का उपयोग
- जिज्ञासा/रोचकता

❑❑

To know about more useful books *click here*